रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा देश, बदल दी सूरत

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। स्वदेशी, आत्मनिर्भर और वोकल फॉर लोकल ने रक्षा क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। आज देश विश्वस्तरीय मिसाइल बना रहा है। एचएएल और फिक्की की ओर से शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्रालय के डीडीजी, डीडीपी अनिल कुमार राय ने कहा कि कभी लोकल का अभिप्राय निम्न गुणवत्ता माना जाता था। आज हमारे उद्योगों ने मायने बदल दिए।

हिंदुस्तान एरोनॉटिकल लिमिटेड और फिक्की की ओर से राज्यस्तरीय डिफेंस एमएसएमई कॉन्क्लेव में उन्होंने रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई नीतियों की जानकारी दी। कहा कि इस सेक्टर में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। भारत विश्वस्तरीय मिसाइलें बना रहा है। 430 कंपनियां, 16000 एमएसएमई काम कर रही हैं। केन्द्र सरकार एमएसएमई को प्रोत्साहित कर रही है। आज हर तरह की मिसाइल, आर्टलरी, टैंक, एलसीए हम बना रहे हैं। रक्षा नीति में 200 करोड़ के नीचे का आयात बंद कर एमएसएमई को मौका दिया जा रहा है। डीआरडीओ के निदेशक डीएमएसआर डीई मयंक द्विवेदी ने कहा कि मिसाइल से लेकर टैंकों तक के निर्माण में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है। आकाश मिसाइल डीआरडीओ ने बनाई।

यूपी का डिफेंस कॉरिडोर महत्वपूर्ण

यूपी डीआईसी के सीजीएम कर्नल संजय सिंह ने कहा कि यूपी का डिफेंस कॉरिडोर दूरदर्शी सोच का परिणाम है। यह एक ऐसा राज्य है जो कनेक्टिविटी के मामले में बेहतर है। साथ ही यहां फ्रेट कॉरिडोर भी गुजर रहे हैं। ब्रह्मोस प्लांट लखनऊ में लग रहा है तो कानपुर में अदाणी ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

ब्रह्मोस उत्पादन से विश्व पटल पर उभरेगा लखनऊ

ब्रह्मोस एरोस्पेस लिमिटेड के निदेशक (कॉमर्शियल) राजेंद्र नेगी ने ब्रह्मोस आयुध प्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में बन रही ब्रह्मोस यूनिट इंटीग्रेशन प्लांट बन रहा है। इससे लखनऊ का कद और भी बढ़ जाएगा। ब्रह्मोस भारत व रूस से संयुक्त प्रयास है। यह 250 मिलियन डॉलर का है। ब्रह्मोस पिछले 18 साल से सेवा में है। आज भी इसका प्रदर्शन सबसे बेहतर है। यही वजह है कि जल, थल व नभ सेना में इसका इस्तेमाल हो रहा है।